आज देखो शिवालय में कितने शिव के दर्शन को आए हुए है

आज देखो शिवालय में कितने,
शिव के दर्शन को आए हुए है,
बस यही कामना को सजाये,
हम भी डेरा लगाए हुए है।bd।

तर्ज – जिंदगी एक किराए का घर।

चाल बहकी जटाएं भी बिखरी,
झूम कर मस्त डमरू की धुन पर,
इस तरह आ रहे वो भोले,
गांजे की दम लगाये हुए है।bd।

छोड़ दो आज नंदी सवारी,
भोले आ जाओ तुम नंगे पाओं,
आइये आपकी राह में हम,
अपनी पलकें बिछाए हुए है।bd।

जिसने शंकर का गुणगान गाया,
उसने मुँह माँगा वरदान पाया,
ऐसे दानी हैं जो भस्मासुर को,
भस्म कगन लुटाये हुए है।bd।

हम ना जायेंगे गंगा नहाने,
राज़ की बात है कौन जाने,
ऐ ‘पदम्’ मन के मंदिर में हम तो,
गंगा धारी बसाए हुए है।bd।

आज देखो शिवालय में कितने,
शिव के दर्शन को आए हुए है,
बस यही कामना को सजाये,
हम भी डेरा लगाए हुए है।bd।

लेखक / प्रेषक – डालचंद कुशवाह “पदम”

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com